समन्वयमहर्षि
श्रीगुलाबरावमहाराज प्रतिपादित

सर्व धर्म समन्वय

श्रीगुलाबरावमहाराज विरचित संस्कृत ग्रंथ
1 शास्त्रसमन्वयः
2 सम्प्रदायकुसुममधु

प्रकाशक :
श्रीज्ञानेश्वर मधुराद्वैत सांप्रदायिक मंडळ,
दहिसात, अमरावती विदर्भ.

डॉ. कृ.मा.घटाटे

संपर्क :
श्रीरंग घटाटे, गोकुळ बंगला, सीव्हिल लाईन नागपूर.
फोन नं. ०७१२२५३३९९७, मो. नं. ९३७२५२९७७०

प्रसाद-भेट

अनुक्रम

शतशः प्रणाम ! (बायोडाटा) १
श्री अटलबिहारीजी वाजपेयी १०
श्री दत्तोपंतजी ठेंगडी १२
सर्वधर्मसमन्वय विचार १९
धर्म और पंथ २२
वैदिक / अवैदिक धर्म २४
समन्वयके ९ प्रकार २६
१.उत्तमसमन्वय २६
२.उपजीव्य-उपजीवक २७
३.उपेक्षारूप २७
४.अलिप्ततामूलक २८
५.शिखर २९
६.प्रयोजन २९
७.ऐतिहासिक २९
८.क्लिष्ट २९
९.अधमाधम समन्वय २९
समन्वय की व्याख्या ३१
वैदिक संप्रदायोंका समन्वय ३२
हिंदुधर्मकी औरोसे तुलना ३५
वैदिकेतर धर्मकी वैदिक ऋषींकी और से स्थापना ३६
धर्म समन्वय व धर्म संकर ३८
हिंन्दु धर्म की प्राचीनता ३९
हिंदुधर्म बचने के कारण ३९
ख्रिश्चन धर्म ४०
येशूजी की लालन भक्ति ४१
इस्लाम ४४
विचार समान, परन्तु आचार भिन्न ४६
हिंदु और इस्लाम की समानताएँ ४७
बौद्ध संप्रदाय ५०
बौद्ध मत का अध्ययन कैसा करे? ५१
भगवान गौतम बुद्ध का अवतारत्व ५१
अवतार के निकष ५१
पुराण-जातकों का समन्वय ५२
ईश्वरविषयक दृष्टिकोण ५२
भगवान् बुद्ध का वैदिकत्व ५२
उभयमान्य सिद्धान्त ५३
चारभावना ५३
शून्य का अस्तित्व असम्भव ५५
कालप्रत्यय ५६
बौद्धमत का समन्वय ५६
वामतंत्र और बौद्ध ५७
उपसंहार ५८
संदर्भ टीपा ५९
.....
श्रीगुलाबराव महाराज विरचित संस्कृत ग्रंथ
२ शास्त्रसमन्वयः ६०
३ सम्प्रदायकुसुममधु ७३